आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक समाट

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों अलीगढ़ हाथरस ऐटा कासगंज बदायूं बुलंदशहर मथुरा आदि से प्रसारित व अलीगढ़ से प्रकाशित

बर्ष :13 अंक :480 पृष्ठ -4 दिनांक 17 मई 2025 दिन शनिवार

यूपी में भीषण गर्मी का कहर, 45 डिग्री के पार पहुंचा तापमान

बांदा में तो तापमान 45 डिग्री के पार

उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो चुका है. सुबह से ही चिलचिलाती धूप पड़ रही है, जिसकी वजह से लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है. बांदा में तो तापमान 45 डिग्री के पार चला गया है. मौसम विभाग की मानें तो आने वाले दिनों में गर्मी से राहत मिलने के आसार नहीं हैं. शनिवार को पूर्वी यूपी के एक या दो जिलों में हल्की बारिश की बौछारें पड़ सकती हैं, लेकिन उससे भी कोई खास राहत मिलने की उम्मीद नहीं है. प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में लू का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है.मौसम विभाग के मुता. बिक पूरे प्रदेश में आज (16 मई) मौसम शुष्क रहेगा. सुबह से ही आसमान साफ है और तेज धूप देख पड़ना शुरू हो गया है. आज दिनभर लू चलने की संभावना जताई गई है. वहीं पूर्वी यूपी के ज्यादातर हिस्सों में गर्म लू के थपेड़े परेशान करेंगे. इस क्षेत्र में लू का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. रात में भी गर्म हवाएं लोगों की बैचौनी बढ़ा सकती हैं. प्रदेश में अब सतही स्तर पर चल रही गर्म पछुआ हवाओं ने तापमान

बढ़ाना शुरू कर दिया हैइन जिलों में अलर्ट जारीयूपी में आज बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, अयोध्या, अमेठी, रायबरेली, हमीरपुर, महोबा, जालौन, झांसी, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, बस्ती, अंबेडकर नगर, संत कबीर नगर, कुशीनगर, देवरिया, चंदौली, मिर्जापुर और सोनभद्र में हीटवेव का येलो अलर्ट जारी किया गया है. इसके साथ ही बलिया, मऊ, गाजीपुर, आजमगढ़, वाराणसी, जौनपुर, प्रतापगढ़, फतेहपुर, बांदा और चित्रकूट में हीटवेव के साथ कई जगहों पर रात में भी गर्म हवाओं का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. यूपी में इतनी भीषण गर्मी पड़ रही है कि तापमान 45 डिग्री के पार चला गया है. पिछले 24 घंटों में प्रदेश में बांदा सबसे अधिक गर्म जिला रहा, यहां सर्वाधिक अधिकतम तापमान 45. 4 डिग्री तक पहुंच गया तो वहीं वाराणसी, झांसी, कानपुर और गाजीपुर में भी तापमान 42 से 43 डिग्री तक रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य 1.5 डिग्री सेल्सियस तक ज्यादा है. मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो दिनों में तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है यानी आने वाले दिनों में गर्मी और परेशान करेगी.

साथ ही मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक बाहर न निकलने की सलाह दी है.

यूपी में योगी सरकार के प्रयास से मातृ मृत्यु दर में आई गिरावट, शिशु स्वास्थ्य में भी दिखा सुधार

उत्तर प्रदेश में अब पहले की तुलना में माँ और नवजात शिशुओं की जिंदगियां ज्याद सुरक्षित हो रही हैं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए जो लगातार काम किया है, उसका असर अब साफ नजर आने लगा है. हाल ही में सैंपल रजिस्ट्रेशन सर्वे (SRS 2019–21 की रिपोर्ट जारी हुई है, जिसमें बताया गया है कि उत्तर प्रदेश में मातृ मृत्यु दर (MMR) में पहले के मुकाबले अच्छी गिरावट दर्ज की गई है.पहले जहां 1 लाख डिलीवरी पर 167 माताओं की मौत होती थी, अब यह संख्या घटकर 151 रह गई है. नवजात मृत्यु दर (NNMR) में भी सुधार हुआ है, यह 28 से घटकर 26 हो गई है. शिशु मृत्यु दर IMRभी 38 से घटकर 37 हो गई है. इसके साथ ही लिंगानुपात भी बढ़ा है दृ 2020 में 908 था, जो अब 912 हो गया है.कोई माँ न मरे, यही है सरकार की कोशिश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश की निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल ने बताया कि सरकार की कोशिश यही है कि कोई भी माँ बच्चे को जन्म देते वक्त अपनी जान न गंवाए. इसके लिए गर्भवती महिलाओं की समय से जांच, इलाज और अस्पताल में सुरक्षित डिलीवरी को बढ़ावा दिया गया है. स्वास्थ्य विभाग की टीम, आशा बहुएं, एएनएम और डॉक्टरों ने गाँव–गाँव जाकर महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाएं दी हैं.गर्भवती महिलाओं की समय से जांच और इलाज का असर सरकार ने तय किया है कि हर गर्भवती महिला का समय से रजिस्ट्रेशन हो, कम से कम 4 बार उसकी जांच हो और अगर कोई खतरा हो तो उसे पहले ही पहच. ानकर इलाज दिया जाए. जरूरत पड़ने पर महिला को फौरन बड़े अस्पताल में रेफर किया जाता है. इसके लिए 108 और 102 एम्बुलेंस सेवाएं भी पूरी तरह सक्रिय हैं. अस्पतालों में सुधार और नई सुविधाएं प्रदेश के जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (ब्ब्) में अब चौबीसों घंटे प्रसव की सुविधा, प्रशिक्षित डॉक्टर, ब्लड स्टोरेज यूनिट और ऑपरेशन थिएटर जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं. इसके अलावा लक्ष्य और मुस्कान जैसी योजनाओं के तहत अस्पतालों को अच्छे काम के लिए सर्टिफिकेट भी मिल रहे हैं.बच्चों के लिए खास यूनिट, गांव तक पहुंची सेवाएं सरकार ने नवजात बच्चों के इलाज के लिए ब्ब् और जिला अस्पतालों में स्पेशल न्यूबोर्न केयर यूनिट (NCU) बनाई हैं. इन यूनिटों में गंभीर रूप से बीमार बच्चों का इलाज किया जाता है. इससे अब ज्यादा बच्चों की जान बच रही है.सरकार की प्राथमिकता है माँ और बच्चे की सुरक्षायोगी सरकार लगातार यह कहती रही है कि माँ और बच्चे की सुरक्षा उसकी प्राथमिकता है. गाँव से लेकर शहर तक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है. यही वजह है कि अब यूपी में माताओं और बच्चों की सेहत में बड़ा सुधार देखा जा रहा है, जो एक सकारात्मक संकेत है.

दांतों की डॉक्टर ने 40 हजार में किए थे हेयर ट्रांसप्लांट... ये काम करने का किया था दावाय एक और नया खुलासा

कानपुर के कल्याणपुर के केशवपुरम की क्लीनिक में डॉ. अनुष्का तिवारी ने घने बाल करने का दावा कर 40 हजार रुपये में हेयर ट्रांसप्लांट किया था। यह जानकारी रावतपुर पुलिस को दोनों मृतक इंजीनियर के परिजनों से मिली है। अब पुलिस उनसे और तथ्य हासिल कर रही है। गुरुवार को कन्नौज और उन्नाव के दो युवकों ने आरा. `पी डॉक्टर के खिलाफ शिकायत की है। प्रारंभिक जांच में डॉक्टर के पास सिर्फ बीडीएस की डिग्री होने की जानकारी मिली है। डीसीपी पश्चिम के मुताबिक इस डिग्री से हेयर ट्रांसप्लांट नहीं किया जा सकता है। विनीत दुबे की पत्नी ने दर्ज कराई रिपोर्टहेयर ट्रांसप्लांट के बाद पनकी पावर हाउस के इंजीनियर विनीत दुबे और फर्रुखाबाद के इंजीनियर मयंक कटियार की मौत हो गई थी। विनीत दुबे की पत्नी जया ने रावतपुर थाने में डॉ. अनुष्का के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। उनके मुता. बिक लाखों रुपये कीमत का ट्रांसप्लांट कुछ हजार रुपयों में किया गया। पति से इलाज से पहले ही नकद राशि ले ली गई थी। मयंक से 40 हजार रुपये मंगवाए थे ऑनलाइनदूसरे मृतक मयंक के परिजनों के अनुसार, डॉक्टर ने मयंक से 40 हजार रुपये ऑनलाइन मंगवाए थे। उसे काफी जटिल प्रक्रिया बताकर पांच घंटे तक सर्जरी की गई। डीसीपी पश्चिम दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि जांच में आरोपी महिला डॉक्टर के फरीदाबाद के कॉलेज से बीडीएस की डिग्री हासिल करने की जानकारी हुई है। इस डिग्री के आधार पर हेयर ट्रांसप्लांट नहीं किया जा सकता है। डॉक्टर के घर पर ताला लगा है। उनकी गिरफ्तारी के लिए कई टीमें लगाई गई हैं। कन्नौज–उन्नाव के युवकों ने भी की शिकायत केशवपुरम की क्लीनिक में हेयर ट्रांसप्लांट कराने वालों की संख्या और होने की संभावना है। कन्नौज निवासी जीत कुमार कटियार ने बताया कि वह अक्तूबर 2024 में मयंक कटियार के साथ डॉ. अनुष्का के क्लीनिक आए थे। उन्होंने वहां कुछ दिन अपना इलाज कराया। उनके माथे पर पहले संक्रमण हुआ और फिर सूजन आ गई थी।5 व6शिकायत करने पर क्लीनिक के स्टाफ ने इसे मामूली समस्या बता जल्दी ठीक होने की बात कह कर टरका दिया था। हालांकि समस्या ठीक नहीं हुई। संक्रमण की वजह से चेहरे को काफी नुकसान उठाना पड़ा। उन्नाव के अचलगंज निवासी राजेंद्र पाठक ने बताया कि विज्ञापन देखकर हेयर ट्रांस प्लांट क्लीनिक की जानकारी हुई थी।

यूपी के किसानों को इस योजना पर योगी सरकार दे रही है 50: सब्सिडी, खेती में मिलेगी काफी मदद

अब किसान अपने खेतों को समतल कर कम पानी में ज्यादा फसल उगा सकेंगे. इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने लेजर लैंड लेवलर मशीन पर 50 प्रतिशत तक या अधिकतम दो लाख रुपये तक की सि. ब्सडी देने का ऐलान किया है. इस मशीन से खेत इस तरह समतल होंगे जैसे फुटबॉल का मैदान. इससे फसल की सिंच. ाई में पानी की बचत, उपज में बढ़ोतरी और लागत में कमी जैसे कई फायदे होंगे."खेत का पानी खेत में" यह कहावत अब केवल कहावत नहीं रहेगी, बल्कि आधुनिक तकनीक की मदद से इसे जमीन पर उतारा जा सकेगा. खेत समतल होने से सिंचाई का पानी हर हिस्से में बराबर बहेगा, जिससे नमी पूरे खेत में समान बनी रहेगी. इससे बीज अच्छी तरह जमेंगे और फसल एकसाथ पकेगी.टेक्नोलॉजी का होता है इस्तेमाल सरकार की ओर से बताया गया है कि इस मशीन में ळै टे. क्नोलॉजी का इस्तेमाल होता है. मशीन से निकलने वाली लेजर बीम ट्रैक्टर में लगे उपकरण को संकेत देती है, जिससे चालक को पता चलता है कि खेत में कहां मिट्टी ऊंची है और कहां नीची. फिर मशीन खुद ऊंचे हिस्से की मिट्टी काटकर निचले हिस्से में भर देती है.कृषि विशेषज्ञों के मुताबिक, समतल खेत में सिंचाई में लगभग आधे पानी की जरूरत होती है. इसके साथ ही खेत की मेड़ और नालियां कम बनानी पड़ती हैं, जिससे 3 से 6 प्रतिशत तक अतिरिक्त जमीन फसल के लिए उपलब्ध हो जाती है. इससे उत्पादन बढ़ाने में काफी मदद मिलती है. माना जाता है कि अगर धान और गेहूं की खेती करने वाले 20 लाख हेक्टेयर खेतों को लेजर लेवलर से समतल किया जाए, तो तीन वर्षों में 15 मिलियन हेक्टेयर पानी, 20000 लाख लीटर डीजल और 500 किलो ग्रीन हाउस गैस की बचत हो सकती है.गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर डॉ. डीके सिंह के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के कारण भविष्य में पानी की कमी से भारत की खाद्यान्न उपज में 28 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है. खासकर गंगा के मैदानी इलाकों में, जहां उत्तर प्रदेश का बड़ा हिस्सा आता है. ऐसे में खेतों को वै. ज्ञानिक ढंग से तैयार करना और संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल ही किसानों को नुकसान से बचा सकता है.

उत्तराखंड में गर्मी का कहर, पहाड़ों में तेज हवाओं की चेतावनी के बाद येलो अलर्ट जारी

मई के दूसरे सप्ताह से गर्मी ने अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है. न सिर्फ मैदान बल्कि पहाड़ों में भी लोग गर्मी से परेशान हो रहे हैं. जी हां उत्तराखंड के मैदानी हिस्सों में भीषण गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है. बीते तीन दिनों से तापमान में लगातार इजाफा हो रहा है, जिससे खासकर दोपहर के वक्त गर्म हवाएं लोगों को झुलसा रही हैं. देहरादून, हरिद्वार, उधमसिंह नगर और नैनीताल जिले के मैदानी इलाकों में हालात और भी गंभीर हो गए हैं. गुरुवार को देहरादून का अधिकतम तापमान 38.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा है. न्यूनतम तापमान भी 21.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया.शुक्रवार को भी नहीं राहतमौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को भी तापमान में गिरावट की उम्मीद नहीं है. अनुमान है कि अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री तक रह सकता है. लगातार बढ़ते तापमान के कारण विशेषकर बुजुर्ग, बच्चे और बीमार लोग अधिक प्रभावित हो रहे हैं. विभाग ने दोपहर के समय धूप से बचने की सलाह दी है. पहाड़ों में तेज हवाओं की चेतावनी, येलो अलर्ट जारीजहां गर्मी से परेशान लोग पहाड़ों की ओर रुख कर रहे हैं, वहीं वहां भी मौसम ने करवट ली है. उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जैसे जिलों के कुछ हिस्सों में 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं. इसके लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है. हालांकि इन इलाकों में तापमान सामान्य और मौसम सुहावना बना रहेगा.तेज हवाओं से सतर्क रहने की सलाहतेज हवाओं के चलते पेड़ गिरने और अस्थायी निर्माण कार्यों को नुकसान पहुंचने की संभावना जताई गई है. इसके अलावा पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को भी सतर्क रहने की आवश्यकता है.लू की आशंका, आने वाले सप्ताह में हीट वेव संभव विशेषज्ञों का मानना है कि साफ आसमान और पहाड़ियों से आ रही गर्म हवाओं के कारण मई की शुरुआत में राहत देने वाली हवाएं अब गर्म और असहज बनती जा रही हैं. यदि यही रुझान जारी रहा तो आने वाले सप्ताह में उत्तराखंड के कई जिलों में हीट वेव जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है.प्रशासन और नागरिकों को रहना होगा सतर्क राज्य में मौसम फिलहाल शुष्क बना रहेगा और बा. रिश की संभावना नहीं है. ऐसे में प्रशासन को स्वास्थ्य सेवाओं और जल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के साथ नागरिकों को जागरूक करने की दिशा में कदम उठाने की जरूरत है.

तलाकशुदा मां के साथ रहने वाली बेटी पेंशन की हकदार, इलाहाबाद हाईकोर्ट का आदेश

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक निर्णय में कहा है कि पिता की मृत्यु के बाद पारिवारिक पेंशन पा रही बेटी के नौ. करी पर लगने के बाद अब पेंशन का लाभ उसकी तलाकशुदा मां के साथ रह रही छोटी बहन को दिया जाना चाहिए. यह निर्देश न्यायमूर्ति अजित कुमार ने याची स्वाति की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया.मामला मेरठ के परिवार से जुड़ायाचिका मेरठ निवासी स्वाति ने दाखिल की थी. स्वाति के पिता गोपाल कृ ष्ण, जिला निर्वाचन कार्यालय मेरठ में चपरासी के पद पर कार्यरत थे और उनका निधन 15 मार्च 2011 को हो गया था. स्वाति के माता–पिता का तलाक 2001 में हो चुका था. पिता के साथ बड़ी बहन चारु रहती थीं, जिन्हें पारिवारिक पेंशन दी गई. जबकि याचि और उसका छोटा भाई मां के साथ रह रहे थे. और बड़ी बहन को नौकरी पिता की जगह मिल चुकी थी,इसलिए उसने पारिवारिक पेंशन के लिए दावा किया. चारु की अनुकंपा नियुक्ति के बाद पेंशन बंदवर्ष 2013 में चारु को पिता की जगह कनिष्ठ लिपिक के पद पर अनु. कंपा नियुक्ति मिल गई, जिसके बाद उनकी पारिवारिक पेंशन बंद कर दी गई. अब स्वाति, जो अविवाहित है और अपनी मां व छोटे भाई के साथ रहती है, ने यह पेंशन पाने का दावा किया.शासनादेश और कोर्ट की टिप्पणीराज्य सरकार के 16 मई 2015 के शासनादेश के अनुसार, अविवाहित बेटियों को पारिवारिक पेंशन के लिए आ. श्रितों की श्रेणी में रखा गया है. सरकारी अधिवक्ता ने भी इस आधार पर जांच का समर्थन किया. दो महीने में हो निर्णयरू कोर्टकोर्ट ने कहा कि यदि कोई तकनीकी कठिनाई न हो और याची का दावा सही पाया जाए, तो दो महीने के भीतर उसके पक्ष में पारिवारिक पेंशन जारी की जाए. यह निर्णय तलाकशुदा महिलाओं और उनके बच्चों के अधिकारों के संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है.

हाथरस में 43 डिग्री पहुंचा तापमान कड़ी धूप और गर्म हवाओं से घरों में दुबके लोग, बिजली कटौती ने बढ़ाई परेशानी

हाथरस में तेज गर्मी ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। आज का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहा। यह कल के तापमान से एक डिग्री अधिक है।सुबह से ही तेज धूप ने लोगों को परेशान किया। दोपहर में गर्म हवाओं ने स्थिति और खराब कर दी। लोगों ने अत्यावश्यक कार्य के लिए ही घर से बाहर निकलना पसंद किया। बाहर निकलने वाले लोगों ने सिर से पैर तक शरीर को ढक कर रखा।बिजली कटौती से भी परेशान रहे लोग...बाजारों में ग्राहकों की कमी दिखी। दुकानदार ग्राहकों की प्रतीक्षा करते रहे। लोगों ने घरों, दुकानों और दफ्तरों में एसी–कूलर का सहारा लिया। ठंडे पेय पदार्थों की बिक्री बढ़ी। आइसक्रीम और जूस की दुकानों पर भीड़ रही। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिन में तापमान और बढ़ने की संभावना है। कुछ इलाकों में बिजली कटौती ने लोगों की परेशानी बढ़ाई। पेयजल संकट भी लोगों को झेलना पड़ा।

हाथरस के विकास को लेकर मुख्यमंत्री से चर्चा

हाथरस की जिला पंचायत अध्यक्ष सीमा उपाध्याय ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर जिले के विकास कार्यों की मांग की।
उन्होंने पूर्वोत्तर रेलवे के हाथरस क्षेत्र में मथुरा–कासगंज मार्ग पर कई स्थानों पर रेलवे ओवरब्रिज बनाने की मांग की।इनमें इगलास अड्डा, बागला मार्ग, नगला गजुआ और मैण्डू गेट पर यातायात जाम की समस्या के स्थाई समाधान के लिए ओव. रब्रिज की मांग की गई। साथ ही जिले में 16 नई सड़कों के निर्माण को लेकर भी पत्र सौंपा गया।प्रमुख सड़क निर्माण में रूदायल से सुल्तानपुर, गुतहरा मार्ग से चारागाह, सिखरा से नगला पचौरी और चंदपा से दाऊजी कोटा मार्ग शामिल हैं। इनकी लंबाई 1 से 6 किलोमीटर तक है।राजकीय इंटर कॉलेज खोलने की मांग. ..सीमा उपाध्याय ने सादाबाद के गांव बीजलपुर और लुहेटा कलां में करवन नदी पर पुल निर्माण की मांग की। साथ ही सादाबाद के ग्राम जारऊ में राजकीय इंटर कॉलेज खोलने की मांग की। उन्होंने हा. थरस के समग्र विकास के लिए हाथरस–सादाबाद–सासनी विकास प्राधिकरण के गठन की मांग भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। विकास के अन्य मुद्दों पर भी उन्होंने मुख्यमंत्री से चर्चा की।

हाथरस में ट्रक ने ट्रैक्टर–ट्राली में मारी टक्कर खाद ले जा रहे चार युवक गंभीर घायल, हाईवे पर लगा जाम

हाथरस में आगरा–अलीगढ़ नेशनल हाईवे पर चंदपा गांव के पास सड़क हादसा हुआ। हाथरस से सादाबाद जा रहे खाद से भरे ट्रैक्टर को सामने से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में ट्रैक्टर पर सवार चार युवक घायल हो गए।घायलों की पहचान राजेश, संगीत, शेर मोहम्मद और राम हरि के रूप में हुई है। यह सभी कोतवाली सादाबाद क्षेत्र के गांव बढार के रहने वाले हैं।ट्रैक्टर हाथरस की ओर से जा रहा था जबकि ट्रक आगरा की ओर से आ रहा था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि चारों युवक ट्रैक्टर से उछलकर दूर जा गिरे। सभी घायल कोतवाली सादाबाद क्षेत्र के गांव बढार के रहने वाले हैं।पुलिस ने यातायात कराया सुचारू घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। कुछ देर के लिए हाईवे पर यातायात प्रभावित हुआ। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने यातायात व्यवस्था को सामान्य कराया।

हाथरस में ट्रैफिक पुलिस कर्मी ने रोडवेज बस को रोका, यात्री परेशान

हाथरस में एक ट्रैफिक पुलिस कर्मी और रोडवेज बस कंडक्टर के बीच किराए को लेकर विवाद हुआ। हाथरस से अलीगढ़ जा रही रोडवेज बस में बस स्टैंड से एक ट्रैफिक सिपाही सासनी जाने के लिए सवार हुआ। कंडक्टर ने जब उससे 17 रुपए का किराया मांगा तो वह नाराज हो गया। रोडवेज बस के कंडक्टर का आरोप है कि सिपाही ने बस से उतरकर इस रोडवेज बस को रुकवा लिया।सीओ ट्रैफिक ने शुरू की जांच उसने बस की फोटो खींचकर चालान कर दिया। इस दौरान कंडक्टर और सिपाही के बीच तीखी बहस भी हुई। बस अलीगढ़ रोड पर काफी देर तक खड़ी रही। गर्मी के मौसम में यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा। कंडक्टर ने पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। मामला सामने आने के बाद सीओ ट्रैफिक ने जांच शुरू कर दी है।

हाथरस के हसायन कोतवाली क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई

हाथरस के हसायन कोतवाली क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई। गांव महेबा में 17 वर्षीय मोनिका की सांप के काटने से मौत हो गई। मोनिका करन सिंह की पुत्री थी। मोनिका खेत से चारा लेने गई थी। इसी दौरान सांप ने उसके पैर में काट लिया। वह किसी तरह घर पहुंची और बे. होश हो गई। उसकी हालत देखकर परिवार के लोग घबरा गए। परिजन उसे तुरंत हसायन के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए।डॉक्टरों ने महिला को मृत बतायास्वास्थ्य केंद्र में मोनिका की हालत और बिगड़ गई। परिजन उसे वापस घर ले आए। कुछ सांप के झाड़–फूंक करने वाले भी बुलाए गए। उन्होंने भी इलाज की कोशिश की। लेकिन मोनिका की हालत में सुधार नहीं हुआ।परिजन उसे जिला अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजन रोते हुए मोनिका का शव लेकर घर लौट गए।

हाथरस की छात्रा सुरभी सिंह ने सीबीएसई बोर्ड इंट. रमीडिएट की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

हाथरस की छात्रा सुरभी सिंह ने सीबीएसई बोर्ड इंटरमीडिएट की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विजय सिंह प्रेमी की भतीजी सुरभी ने 98.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान हासिल किया है।सुरभी की इस उपलब्धि के लिए ऑल इंडिया अब्बासी महासभा और मुस्लिम इंडिया कमेटी ने विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष रईस अहमद अब्बासी और मुस्लिम इंतजामिया कमेटी के सदर राहत अहमद कुरेशी मुख्य रूप से उपस्थित थ. ।कार्यक्रम में मस्जिद अलवरकत के इमाम हाफिज नदीम हुसैन कादरी, जिला सत्र न्यायालय मदीना मस्जिद के इमाम हाजी जमील और कई प्रमुख वकील शामिल हुए। इनमें राम ब्रिज, मंजूर अहमद अब्बासी, वीरी सिंह कर्दम और रणवीर सिंह कुशवाहा प्रमुख थे। साथ ही साबिर हुसैन, मास्टर मुबीन खान, बाबुद्दीन अब्बासी, रिंकू निगम, रफीक खान, हाजी अब्दुल रहीम, दिलशाद अब्बासी, मंजू सिंह, अशरफ राजा, फरहत अली खान और अजहरुद्दीन खान भी मौजूद रहे।

स्टेशन पर दो निशुल्क शौचालय किए बंद, अब देने होंगे पांच से लेकर 20 रुपये तक

हाथरस सिटी स्टेशन पर मौजूद निशुल्क शौचालय को बंद कर दिया गया। पे एंड यूज शौचालय ब्लॉक का संचालन शुरू कर दिया गया है। इस शौचालय ब्लॉक का प्रयोग करने वालों को शुल्क देय होगा। जिसकी दरें पांच से 20 रुपये तक होंग. ी।पूर्वोत्तर रेलवे के हाथरस सिटी स्टेशन पर पे एंड यूज शौचालय ब्लॉक शुरू करा दिया गया है। इस शौचालय का प्रयोग करने के लिए यात्रियों को पांच से लेकर 20 रुपये तक का भुगतान करना होगा। स्टेशन पर मौजूद दो निशुल्क शौचालयों को बंद कर दिया गया है। इस नई व्यवस्था से यहां से रोजाना सफर करने वाले छह हजार मुसाफिर प्रभावित होंगे।अब पे एंड यूज शौचालय ब्लॉक का संचालन शुरू कर दिया गया है। इसके संचालन के लिए पूर्वोत्तर रेलवे ने टेंडर उठाया है। टेंडर के अंतर्गत एक निजी कंपनी के प्रति. निधि द्वारा इसका संचालन किया जाएगा। इस शौचालय ब्लॉक का प्रयोग करने वालों को शुल्क देय होगा। जिसकी दरें पांच से 20 रुपये तक होंगी। अभी इसकी सूची चस्पा नहीं की गई है। इस व्यवस्था के चलते यात्रियों को बिना शुल्क के शौचालय की सुविधा नहीं मिलेगी।यह पहली बार है कि जब हाथरस के किसी स्टेशन पर पे एंड यूज शौचालय की व्यवस्था लागू हुई है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत किए गए बदलाव में इस व्यवस्था को शुरू किया गया है। वरिष्ठ मंडलीय प्रबंधक संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि बेहतर और साफ सुथरे शौचालय की सुविधा दिए जाने के लिए इस तरह का परिवर्तन किया गया है।

सादाबाद–सहपऊ के सीएचसी में गर्भवती महिलाओं को परेशानी

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस पर सादाबाद और सहपऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में कुल 240 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई। सादाबाद सीएचसी में 163 और सहपऊ सीएचसी में 77 महिलाओं ने जांच कराई। दोनों सीएचसी में अल्ट्रासाउंड की सुविधा नहीं होने के कारण महिलाओं को हाथरस जाना पड़ता है।महिला डॉक्टर की तैनातीसादाबाद से 147 और सहपऊ से 48 महिलाओं को अल्ट्रासाउंड के लिए रेफर किया गया। सहपऊ सीएचसी में महिला चिकित्सक की तैनाती नहीं है। यहां केवल स्टाफ नर्स ही जांच करती हैं। गर्भवती महिलाओं ने मांग की है कि कम से कम प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस पर एक महिला डॉक्टर की तैनाती की जाए।सादाबाद सीएचसी में 9 और सहपऊ में 6 महिलाएं उच्च जोखिम गर्भावस्था में पाई गईं। सादाबाद में महिला डॉक्टर होने से वहां सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। सहपऊ की महिलाओं को प्रसव के लिए भी बाहर जाना पड़ता है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान होता है।उच्च अधिकारियों का काम सादाबाद सीएचसी प्रभारी डॉ. दानवीर ने बताया कि यहां प्रसव की सभी सुविधाएं हैं और रक्त की कमी वाली महिलाओं को भी उपचार मिलता है। सहपऊ सीएचसी प्रभारी डॉ. प्रकाश मोहन के अनुसार, डॉक्टर की तैनाती उनके स्तर से नहीं हो सकती, यह उच्च अधिकारियों का काम है।

हाथरस के दो युवकों पर सीबीआई की एफआईआर

सीबीआई ने एक बड़े फर्जी सिम कार्ड रैकेट का खुलासा किया है। इसमें हाथरस के दो सिम कार्ड विक्रेताओं राजीव सागर और मुकेश कुमार को भी आरोपी बनाया गया है। सीबीआई ने राजीव के घर पर छापेमारी कर दो मोबाइल फोन जब्त किए। राजीव को 10 मई को पकड़ कर अपने साथ ले गई। वह कोतवाली चंदपा क्षेत्र के गांव मीतई का निवासी है।मुकेश ने राजीव को सिम का काम सिखाया था। जांच में पता चला कि दोनों आरोपी केनोपी लगाकर फेरी लगाते थे। वे ग्राहकों को केवाईसी फेल होने का झांसा देकर दूसरा सिम एक्टिवेट कर देते थे। इन्होंने 100 से अधिक सिम कार्ड फर्जी तरीके से एक्टिवेट किए। हालांकि राजीव के परिवार के लोगों का कहना है कि राजीव को गलत फंसाया गया है। सीबीआई ने घर की कई घंटे तक तलाशी की थी। स्थानीय पुलिस प्रशासन को अभी तक इसकी जानकारी नहीं है।39 में से 9 सिम कार्ड डीलर है यूपी केसीबीआई की जांच में सामने आया कि कुल 39 डीलरों ने मिलकर करीब 1100 सिम कार्ड फर्जी नाम–पते पर बेचे। इन सिम का इस्तेमाल दक्षिण एशियाई देशों में साइबर फ्रॉड के लिए हो रहा था। इनका उपयोग डिजिटल अरेस्ट, जासूसी, फर्जी विज्ञापन, इन्वेस्टमेंट फ्रॉड और यूप. ीआई फ्रॉड में किया जा रहा था। साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर बढ़ती शिकायतों के बाद सीबीआई ने जांच शुरू की।एजेंसी ने पश्चिम बंगाल, असम, महाराष्ट्र, बिहार, तमिलनाडु, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश के सिम कार्ड डीलरों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इन 39 सिम कार्ड डीलरों में 9 यूपी के हैं। इनमें हाथरस के भी दो सिम कार्ड डीलरों के नाम सामने आए।

हाथरस जंक्शन से बेरगांव तक बनेगी साढ़े सात किमी सड़क, खर्च होंगे 14.29 करोड़ रुपये

हाथरस जंक्शन से बेरगांव जाने वाली करीब 7.40 किमी लंबी जर्जर सड़क को दुरुस्त करने की तैयारी की जा रही है। इस पर 14.29 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। लोक निर्माण विभाग ने इसके लिए शासन को प्रस्ताव भेजा है।हाथरस जंक्शन से बेरगांव तक करीब 7.40 किलोमीटर लंबी सड़क काफी जर्जर है। इस पर आवागमन में राहगीरों और वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से कई बार इस सड़क का जीर्णोद्धार कराए जाने की मांग की थी, जिसके बाद लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने इसका जीर्णोद्धार और चौड़ीकरण कराने का प्रस्ताव शासन को भिजवाया है।वर्तमान में इसकी चौड़ाई 3.75 मीटर है। इस सड़क के बनने से इस मार्ग पर बसे गांवों के लोगों को आवागमन में राहत मिलेगी।

डीएम की अध्यक्षता में डेंगू बुखार पर प्रभावी नियंत्रण एवं कार्यवाही के लिए अंतर्विभागीय बैठक संपन्न हुई

डेंगू पर प्रभावी नियंत्रण के लिए संबंधित विभाग सामूहिक एवं समन्वित रूप से करें कार्य

अलीगढ़ रू जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में डेंगू बुखार की रोकथाम, नियंत्रण एवं प्रभावी कार्यवाही के लिए अंतर्विभागीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया एवं अपने–अपने विभाग की तैयारियों और आगामी कार्ययोजना की जानकारी दी। डीएम ने कहा कि इस वर्ष श्देखें, साफ करें, ढ़केंरू डेंगू को हराने के उपाय करेंश्थीम पर आयोजित होने वाले 10 वें राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर सभी विभाग अपनी–अपनी जिम्मेदारियों का पूर्ण निष्ठा एवं संवेदनशीलता से निर्वहन करें।जिलाधिकारी ने कहा कि डेंगू जैसी मौसमी बीमारी पर नियंत्रण के लिए सभी संबंधित विभागों को सामूहिक एवं समन्वित रूप से कार्य करना होगा। प्रत्येक विभाग को अपनी भूमिका के प्रति सजग रहना होगा नगर स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा बताया गया कि शहर में नियमित सफाई अभियान चलाया जा रहा है। नालियों की सफाई, जलभराव की समस्या का समाधान एवं कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया जा रहा है। फॉगिंग मशीनों की संख्या बढ़ाकर सघन फॉगिंग कराई जा रही है। डीएम ने जिला मलेरिया अधिकारी के साथ ज्वाइंट माइक्रो प्लान तैयार कर कार्य करने के निर्देश दिए।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 नीरज त्यागी ने बताया कि सभी प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर डेंगू की जांच व उपचार कीव्यवस्था की गई है। बुखार के मरीजों की स्क्रीनिंग कर उन्हें आवश्यकतानुसार एलाइजा टेस्ट के लिए भेजा जा रहा है। इसके अलावा ब्लड बैंक में प्लेटलेट्स की पर्याप्त उपलब्धता सु. निश्चित की जा रही है। पाथ सलाहकार सीताराम ने ध्यानाकर्षण किया कि विगत तीन माह से मलखान सिंह जिला चिकित्. सालय में डेंगू की जांच नहीं हो रही है, इस पर जिलाधिकारी ने सभी सीएमएस को निर्देशित किया कि चिकित्सालयों में डेंगू की जांच कराना सुनिश्चित करें। सीएमओ ने बताया कि सामूहिक रूप से स्कूलों, कॉलेजों एवं सार्वजनिक स्थलों पर जन जागरूकता अभियान चलाने की भी योजना बनाई गई है। नुक्कड़ नाटक, पंपलेट, होर्डिंग्स एवं सोशल मीडिया के माध्यम से आमजन को डेंगू से बचाव की जानकारी दी जा रही है। विकास विभाग एवं पंचायती राज विभाग को निर्देशित किया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी जलभराव की समस्या न होने दें। ग्राम प्रधानों व आशा कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर डेंगू के लार्वा नष्ट करने के लिए अभियान चलाएं। शिक्षा विभाग को निर्देशित किया गया कि सभी शिक्षण संस्थानों में प्रत्येक सप्ताह श्ड्राई डेश्मनाया जाए, जिसमें सभी जल स्रोतों की सफाई की जाए एवं लार्वा न पनपने दिया जाए।जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि डेंगू का मच्छर साफ पानी में पनपता है। कूलर, बाल्टी, फ्लावर पॉट, फ्रिज बकेट एवं अन्य जगहों पर पानी एकत्रित न होने दें डेंगू के मच्छर दिन में काटते हैं, ऐसे में बच्चों को फुल बांह की कमीज पहनाएं।जिलाधिकारी ने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपनेअपने क्षेत्रों में नियमित रूप से निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। बैठक के अंत में डेंगू को भगाने के लिए शपथ भी दिलाई गई। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि डेंगू के विरुद्ध जारी इस अभियान को गंभीरता से लें एवं जनता को इससे सुरक्षित रखने के लिए हर संभव प्रयास करें। सभी विभाग अपने स्तर पर सतर्कता बनाए रखें एवं आपसी समन्वय से कार्य करें।

ऊर्जा क्षेत्र में आगामी सुधारों के दृष्टिगत डीएम ने की समीक्षा बैठक

अलीगढ़ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ऊर्जा क्षेत्र में प्रस्तावित आगामी सुधारों को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी संजीव रंजन ने शुक्रवार को कार्यालय कक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सुचारू विद्युत आपूर्ति, उपभोक्ताओं की संतुष्टि एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष बल दिया गयाजिला मजिस्ट्रेट संजीव रंजन ने कहा कि ऊर्जा सुधारों के दौरान आम जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए एक प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने विद्युत विभाग को निर्देशित किया कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सु. निश्चित की जाए और किसी भी संभावित विरोध या जनाक्रोश की स्थिति में तत्काल नियंत्रण के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय बनाए रखें। उन्होंने विद्युत अधिकारियों को निर्देशित किया कि संभावित विरोध के उपरांत भी निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, इसके लिए सभी प्रकार के वैकल्पिक उपाय ससमय कर लिए जाएं। एसई पी0ए0 मोगा ने बताया कि तीन एजेंसियों के माध्यम से मैनपावर उपलब्ध कराया जा रहा है। उपभोक्ताओं को किसी भी आपात स्थिति में सुविधा नहीं होने दी जाएगी।डीएम ने सभी उपजिलाधिकारियों एवं पुलिस क्षेत्राधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्युत विभाग के कार्यों में सहयोग प्रदान करें एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए निरंतर निगरानी रखें इसके अलावा उन्होंने आम जनता को ऊर्जा सुधारों के विषय में स्पष्ट व सटीक जानकारी देने के लिए व्यापक प्रचार–प्रसार करने के भी निर्देश दिए। मुख्य महाप्रबंधक हरदुआगंज विद्युत तापीय परियोजना अतुल कुमार ने बताया कि विद्युत उत्पादन में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी बैठक में अपर जिलाधिकारी नगर अमित कुमार भट्ट, पुलिस अधीक्षक अपराध ममता कुरील, पुलिस अधीक्षक यातायात मुकेश उत्तम, अधीक्षण अभियंता शहरी एवं ग्रामीण सहित अधिशासी अभियंता (विद्युत) अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ओडीओपी योजनान्तर्गत प्रशिक्षण एवं टूलकिट प्राप्त करने के लिए करें ऑनलाइन आवेदन

अलीगढ़ (संयुक्त आयुक्त उद्योग बीरेन्द्र कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया है कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में एक जनपद–एक उत्पाद योजना के अन्तर्गत लॉक्स एण्ड हार्डवेयर एवं मैटल हैण्डीक्राफ्ट से संबंधित कुशल, अकुशल, उद्यमियों एवं कारीगरों को आजीविका के साधनों को सुदृढ़ीकरण करते हुए उनके जीवन स्तर को उन्नत किए जाने के लिए 10 दिवसीय प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया जा रहा है।उन्होंने जिले के ऐसे कुशल, अकुशल, उद्यमियों एवं कारीगर जिनकी न्यूनतम आयु 10 वर्ष एवं जो लॉक्स एण्ड हार्डवेयर एवं मैटल हैण्डीक्राफ्ट के जानकार या कार्य कर रहे हों, वह कौशल विकास प्रशिक्षण एवं टूल किट प्राप्त करने के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन निदेशालय उत्तर प्रदेश कानपुर की वेबसाइट **www-di-upmsme-upsdc-gov-** पद पर ऑनलाइन किए जा सकते हैं। विस्तृत जानकारी के लिए किसी भी कार्यदिवस में जिला उद्योग केंद्र में संपर्क किया जा सकता है।

एपीसी की अध्यक्षता में आगरा व अलीगढ़ की मण्डलीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी 17 मई को कल्याण सिंह हैबीटेट सेंटर में

अलीगढ़ प्रदेश के मा0 कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में 17 मई को प्रातः 10:30 बजे से कल्याण सिंह हेबीटेट सेन्टर में आगरा एवं अलीगढ़ मण्डल की मण्डलीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी–2025 संयुक्त रूप से आयोजित की जाएगी।संयुक्त कृषि निदेशक ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि गोष्ठी में आगरा एवं अलीगढ़ मण्डल के कृषि से जुड़े विभागों के जिले व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ ही बड़ी संख्या में प्रगतिशील कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। गोष्ठी में कृषकों को वैज्ञानिकों द्वारा कृषि की नवीनतम जानकारियां दी जायेंगी।

महिला हाइजीन एवं सर्वाइकल कैंसर आयोजित किया . गया विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर

अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनुपम कुमार के आदेशानुसार श्री उदयसिंह जैन कन्या इण्टर कॉलेज में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं अपर जिला जज नितिन श्रीवास्तव द्वारा श्महिला हाइजीन एवं सर्वाइकल कैंसरश्नामक विषय पर एक विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। साक्षरता शिविर में श्री उदयसिंह जैन कन्या इण्टर कॉलेज की प्रधानाध्यापिका श्रीमती प्रियंका जैन, सहायक अध्यापिका श्रीमती पल्लवी एवं लेक्चरर श्रीमती अंजू भी उपस्थित रहीं।सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शिविर में उपस्थित बालिकाओं को शिक्षा का अधिकार, वृद्धजन के अधिकार, विधिक सेवा के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं। इसके अतिरिक्त उन्होंने सर्वाइकल कैंसर के बारे में बताया कि यह पहला ऐसा कैंसर है जिसकी वैक्सीन उपलब्ध है, इस कैंसर को पूरी तरह विकसित होने में 20 वर्ष तक का समय लगता है। इस कैंसर के बचाव के लिए 13 वर्ष तक की बालिकाओं को दो वैक्सीन दी जाती है। 13 वर्ष से लेकर 19 वर्ष की बालिकाओं को तीन बैक्सीन लगायी जाती है। इस कैंसर के प्रसार को रोकने के लिए महिलाओं में स्क्रीनिंग भी की जाती है, एक बार स्क्रीनिंग होने से तीन वर्ष महिला इस कैंसर से सुरक्षित हो जाती है। महिलाओं में स्क्रीनिंग 60 वर्ष की उम्र तक की जाती है। उन्होंने कहा कि आप लोगो को जो भी जानकारी यहां पर प्रदान की गयी है उसका आप लोग प्रचारप्रसार करें और अधिक से अधिक म. हलाओं एवं बालिकाओं को प्रेरित करें कि वह स्क्रीनिंग व वैक्सीनेशन अवश्य करायें। इस कैंसर को वैक्सीनेशन व स्क्रीनिंग के माध्यम से ही बढने से रोका जा सकता है। उन्होंने बताया कि आस्ट्रेलिया विश्व का पहला देश है जिसने स्वंय को इस केंसर से मुक्त किया है। वर्तमान समय में सर्वाइकल कैंसर रोग से पीडित महिलाओं की संख्या भारत में सर्वाधिक है। शिविर में मोहन लाल गौतम जिला महिला चि. कत्सालय की चिकित्सक डा0 अंशू सक्सेना ने सर्वाइकल कैंसर कैसे फैलता है एवं इसके प्राथमिक लक्षण क्या है के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण एवं बारीक जानकारियॉ प्रदान कीं। उन्होंने शिविर में उपस्थित बालिकाओं के प्रश्नों का बेबाकी के जवाब देते हुए उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया। उन्होंने बालिकाओं से अपील करते हुए कहा कि सर्वाइकल कैंसर एवं उसके उपचार के सम्बन्ध में जो जानकारियां प्रदान की गई हैं इनको आप अपने परिवार व रिश्तेदारों की महिला सदस्यों एवं अन्य बालिकाओं व महिलाओ को अवगत कराएं ताकि सर्वाइकल कैंसर को प्रसारित होने से रोका जा सके।विधिक साक्षरता शिविर में श्री उदयसिंह जैन कन्या इण्टर कॉलेज में लगभग 200 छात्राएं उपस्थित रहीं। साक्षरता शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पराविधिक स्वंय सेविकाऐं श्रीमती आभा वार्ष्णेय, श्रीमती सईदा खातून एवं श्रीमती सोनम भी उपस्थित रहीं।

अबोध बच्ची को बहला फुसला कर ले जाने वाले अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अलीगढ़ ।गभाना के ग्राम भरतरी से थाना कोतवाली क्षेत्र का सुभान उर्फ सलमान नाम का हिस्ट्रीशीटर एक बच्ची को बहला फुसला कर अपने साथ ले गया जबकि इस घटना की सूचना पर इलाका पुलिस तत्काल हरकत में आई और रात्रिकाल में ही बच्ची को सकुशल पुलिस टीम द्वारा बरामद कर लिया गया। आपको बता दें कि इस अभियुक्त की पुलिस टीम के साथ मुठभेड़ हुई और इसमें ये गिरफ्तार हुआ।सूत्रों की मानें तो आरोपी ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर भी किए थे लेकिन पुलिस ने जवाबी कार्यवाही करते हुए अपराधी पर फायर कर दिया जिससे ये गोली लगने के बाद घायल हुआ है और बाद में इसे उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया है जहां डॉक्टरों की टीम उसका उपचार कर रही है।वहीं दूसरी तरफ पुलिस के उच्चाधिकारियों ने इस पूरे मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि अपराधी के खिलाफ उचित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करके इसे जेल भेजा जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के थाना देहली गेट क्षेत्र में एक घटना सामने आई है। एक पांच माह की गर्भवती महिला ने अपने मायके जाकर गर्भपात करा लिया, जिसकी जानक. ारी जब पति को मिली तो उसने इसका कड़ा विरोध किया। पति का आरोप है कि बिना उसकी जानकारी और सहमति के महिला के मायके वालों ने यह कदम उठाया।पीड़ित पति ने बताया कि गर्भपात की जानकारी उसे काफी देर से मिली। जब उसने इस पर आपत्ति जताई और अपनी पत्नी से सवाल किए, तो उसे मायके वालों द्वारा धमकी मिलने लगी। मायके पक्ष ने यहां तक कह दिया कि यदि वह ज्यादा विरोध करेगा, तो उसकी पत्नी की दूसरी शादी कर दी जाएगी। पति का कहना है कि उसे इस घटना से गहरा आघात पहुंचा है, क्योंकि उसने अपने आने वाले बच्चे के लिए कई सपने देखे थे।मायके पक्ष की धमकियों और पत्नी के इस निर्णय से आहत पति ने न्याय की उम्मीद में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ̐(च) कार्यालय का रुख किया। पीड़ित ने ̐च को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए मामले की पूरी जानकारी दी और न्याय की मांग की। पति का कहना है कि बिना उसकी सहमति के गर्भपात कराना न केवल गैरकानूनी है, बल्कि एक पिता के अधिकारों का हनन भी है।मायके पक्ष की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हालांकि, स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, मायके पक्ष ने इसे पारिवारिक मामला बताया है और किसी भी तरह के आरोपों से इनकार किया है।गर्भपात से जुड़े कानूनी पहलुओं पर गौर करें तो भारतीय कानून के अनुसार 20 सप्ताह के भीतर गर्भपात की अनुमति है, लेकिन इसके लिए पति–पत्नी दोनों की सहमति की आवश्यकता होती है, खासकर अगर महिला शादीशुदा हो। अगर बिना सहमति के ऐसा किया जाता है तो यह अपराध की श्रेणी में आता है।थाना देहली गेट पुलिस ने मामले को संज्ञान में लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जाएगी और दोनों पक्षों से पूछताछ के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी 17 मई को कृष्णांजलि में तहसील कोल के सम्पूर्ण समाधान दिवस में जन समस्याओं का कराएंगे निस्तारण

अलीगढ़ जिलाधिकारी संजीव रंजन द्वारा 17 मई शनिवार को कृष्णांजलि में आयोजित होने वाले तहसील कोल के सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रातः 10 बजे से सम्पूर्ण समाधान दिवस में जनसमस्याओं का निस्तारण कराया जाएगा।निर्धारित रोस्टर के अनुसार अन्य तहसीलों में भी संबंधित एसडीएम एवं नोडल अधिकारियों द्वारा जनसमस्याओं का निस्तारण कराया जाएगा।

अलीगढ़ में साइबर ठग गैंग का भंडाफोड़, नोएडा से ली थी हाईटेक ठगी की ट्रेनिंग, चार गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश की अलीगढ़ पुलिस ने एक अंतरजनपदीय साइबर ठग गैंग का खुलासा कर चार शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. यह गैंग पहले मोबाइल चोरी करता था और फिर चुराए गए फोन के यूपीआई का इस्तेमाल कर पीड़ितों के बैंक खातों से पैसे निकाल लेता था. पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने दिल्ली में साइबर ठगी की ट्रेनिंग ली थी, जिसके बाद उन्होंने इस हाईटेक अपराध को अंजाम देना शुरू किया.थाना रोरावर और जनपदीय साइबर सेल की संयुक्त कार्रवाई में चारों आरोपियों को धर दबोचा गया और उनके पास से चार मोबाइल फोन और 1090 रुपये बरामद किए गए.घटना का मुकदमा थाना रोरावर में मुकदमा संख्या 131៲2025, धारा 305() बीएनएस और 66(सी) आईटी एक्ट के तहत दर्ज किया गया था. पीड़ित की शिकायत के अनुसार, उनकी दुकान से मोबाइल चोरी कर यूप. ीआई के जरिए 17,000 रुपये निकाले गए थे. मुख्य आरोपी रिजवान ने पूछताछ में खुलासा किया कि वह और उसके साथी मोबाइल चोरी कर यूपीआई से पैसे निकालते थे और फिर फोन को दूसरे जिलों में बेच देते थे. रिजवान ने बताया कि नोएडा में कुछ लोगों से उसने यह तकनीक सीखी और पहले भी वह कई बार जेल जा चुका है.एसपी क्राइम ममता कुरील ने कहा कि साइबर ठगी से बचने के लिए यूपीआई उपयोगकर्ताओं को जागरूक रहना होगा. उन्होंने सलाह दी कि डेट ऑफ बर्थ जैसे साधारण पासवर्ड का इस्तेमाल न करें, क्योंकि ठग आसानी से इन्हें क्रैक कर लेते हैं. इस मामले में भी साधारण पासवर्ड के कारण 17,000 रुपये की ठगी हुई, लेकिन पुलिस ने त्वरित कार. ’वाई कर आरोपियों के खातों को फ्रीज कर दिया. पीड़ित को जल्द रकम वापस की जाएगी.गिरफ्तार आरोपियों में रिजवान (28), इमरान (23), फैसल (22), और समीर (22) शामिल हैं. पुलिस ने इन्हें जेल भेज दिया है और आगे की जांच जारी है.

ज्येष्ठ अमावस्या का शनि देव से क्या संबंध ?

हिंदू धर्म में हर तिथि हर वार का अपना एक धार्मिक महत्व है. ऐसे तो हर महीने अमावस्या आती है, लेकिन अमावस्या का काफी ज्यादा महत्व है. मान्यता है कि अमावस्या तिथि के स्वामी पितर हैं इसलिए इस दिन पितरों ने नाम की पूजा और तर्पण करने से पुण्य की प्राप्ति होती है.पि. ंडदान, जप–तप, पूजन, दान आदि करने का विधान है. पितृ दोष से मुक्ति मिलती है और परिजनों पर पितरों का आशीर्वाद बना रहता है. खासकर ज्येष्ठ अमावस्या हिंदू धर्म में बहुत मायने रखती है, आखिर क्या हुआ था इस दिन, 2025 में कब है ज्येष्ठ अमावस्या आइए जानते हैं.ज्येष्ठ अमावस्या 2025 में कब ?ज्येष्ठ अमावस्या 26 मई 2025 को प्रात 12 बजकर 11 मिनट पर

शुरू होगी और इसका समापन 27 मई 2025 को सुबह 8 बजकर 31 मिनट पर होगा.अमावस्या तिथि सूर्योदय से मान्य होती है. ऐसे में इस साल ज्येष्ठ अमावस्या 27 मई को रहेगी.ज्येष्ठ अमावस्या 2025 मुहूर्त ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 04रू03 – सुबह 04:44 अभिजित मुहूर्त – सुबह 11:51 – दोपहर 12:46 गोधूलि मुहूर्त – रात 7:11 – रात 7:31ज्येष्ठ अमावस्या पर क्या हुआ था ?ज्येष्ठ अमावस्या पर सूर्य और छाया पुत्र शनि देव का जन्म हुआ था, इसलिए सालभर में ये अमावस्या बहुत खास मानी जाती है. इस दिन शनि जयंती मनाते हैं. इसके अलावा इस दिन महिलाएं पति की लंबी आयु के लिए वट सावित्री व्रत करती हैं. मान्यता है कि इसके प्रभाव से अखंड सौभाग्य का वरदान मिलता है. इस दिन सुबह वट वृक्ष की पूजा और परिक्रमा की जाती है और शाम के समय शनि देव की पूजा का विधान है.ज्येष्ठ अमावस्या के दिन पितरों को खुश करने के लिए तर्पण, पिंडदान, पंचबलि कर्म, श्राद्ध कर्म, ब्राह्मण भोज, स्नान, दान आदि करते हैं.अमावस्या के दिन व्रत करने और भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है. इसके साथ ही घर में सुख–समृद्धि और संपन्नता बनी रहती है.

अगर सपने में नजर आएं ये 5 चीजें, तो समझ जाइए बदलने वाली है किस्मत! छप्पर फाड़ कर बरसेगा धन

ज्योतिष शास्त्र और स्वप्न शास्त्र के मुता. बिक हर सपने का कोई न कोई मतलब जरूर होता है, साथ ही इनमें भविष्य से जुड़े संकेत भी छिपे होते हैं. प्राचीन ग्रंथों में स्वप्न शास्त्र के नाम से एक पूरी विद्या मौजूद है, जिसमें बताया गया है कि कौन सा सपना क्या इशारा करता है. इनमें से कुछ सपने जीवन में होने वाले बदलावों, लाभ या किसी बड़ी खुशी से जुड़े होते हैं. हर इंसान सोते समय सपने देखता है. अधिकतर सपने हमारे दिनभर के अनुभवों और सोच से बनते हैं, लेकिन कुछ सपने ऐसे होते हैं, जिनका सीधा संबंध हमारे आने वाले समय से होता है. स्वप्न शास्त्र में कई ऐसे सपनों का जिक्र है, जो अच्छे समय के आने का इशारा देते हैं. नीचे हम ऐसे ही पांच सपनों की बात कर रहे हैं, जो आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत से पहले दिखाई देते हैं. इस बारे में विस्तार से बता रहे हैं स्वप्न शास्त्री 1. चांद को देखना अगर आप सपने में स्पष्ट और चमकता हुआ चंद्रमा देखते हैं, तो यह बहुत ही शुभ संकेत माना जाता है. यह सपना बताता है कि आपके घर में सुख–शांति और प्रेम का माहौल बनेगा. अगर परिवार में कोई तनाव या मतभेद चल रहा है, तो वह भी समाप्त हो जाएगा. यह सपना पारिवारिक एकता और मान. सिक शांति का संकेत देता है. 2. नाखूनों को काटना स्वप्न शास्त्र के अनुसार, अगर आप खुद को सपने में नाखून काटते हुए देखें, तो यह एक सकारात्मक संकेत है. यह सपना बताता है कि आप अपने जीवन से पुराने बोझ, बाधाएं या कर्ज से जल्द ही मुक्त हो सकते हैं. साथ ही, आर्थिक स्थिति में सुधार और आत्मविश्वास में वृद्धि भी देखने को मिल सकती है.3. आकाश में उड़ना सपने में खुद को उड़ता हुआ देखना बहुत शुभ संकेत माना गया है. यह सपना बताता है कि आपकी परेशानियों का समय अब खत्म होने वाला है और आप एक नई शुरुआत की ओर बढ़ रहे हैं. और जल्द ही आपको आर्थिक फायदा होगा.4. नदी को देखना बहती नदी को सपने में देखना इस बात का इशारा होता है कि आपके जीवन में कोई नई ऊर्जा आने वाली है. यह सपना यह भी दर्शाता है कि आपको कोई शुभ समाचार मिल सकता है, जैसे नौकरी में तरक्की, नया अवसर या पारिवा. रिक खुशियां.5. बगीचे को देखनाअगर आप सपने में हरा–भरा बगीचा देखते हैं, तो यह आने वाली खुशियों, आर्थिक लाभ और कार्यों में सफलता का संकेत देता है. यह सपना बताता है कि आपकी मेहनत का फल मिलने वाला है और आपके जीवन में शांति व संतुलन बना रहेगा. जल्दी ही आपको कोई बड़ा धन लाभ हो सकता है.

महाभारत युद्ध के बाद कब खत्म हो गया अर्जुन के धनुष का जादू, साधारण डाकुओं ने हरा दिया, फिर लिया क्या फैसला

महाभारत युद्ध में अर्जुन को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर के तौर पर याद किया जाता है. उस युद्ध में पांडवों की जीत का सबसे बड़ा सेहरा उन्हीं पर था. इससे पहले भी अर्जुन ने बार– बार अपने तीर और धनुष से अपनी श्रेष्ठता ऐसी जाहिर की कि बड़े से बड़ा योद्धा और बड़ी से बड़ी सेना भी उनके छूटते तीरों के सामने हार मान जाती थी. इन्हीं अर्जुन के तीर धनुष ने बाद में जवाब दे दिया. वो लाख तीन धनुष चलाते रहे लेकिन साधारण से डाकुओं ने उन्हें हरा दिया.ये बात हैरान जरूर करती है लेकिन है सच. जब अर्जुन कृष्ण के निधन के बाद द्वारिका गए तो वहां से लौटते हुए उनका बुरा हाल हो गया. वह उनके महल की सैकड़ों मि. हलाओं को हिफाजत में लेकर हस्तिनापुर लौट रहे थे. वजह ये थी कि कृष्ण के निधन के बाद द्वारिका का डूबना शुरू हो गया था. ये समुद्र में समाने लगी थी. ऐसे में अर्जुन से सभी ने कहा कि वह इन मि. हलाओं को लेकर हस्तिनापुर ले जाएं, वहां ये सुरक्षित रहेंगी.साधारण डाकुओं को भी नहीं हरा पाएलेकिन लौटते समय रास्ते में उन्होंने देखा कि उनके तीर–धनुष की धार खत्म हो चुकी थी. उनकी धनुर्विद्या गायब हो गई. इसने जवाब दे दिया. कृष्ण के निधन के बाद हस्तिनापुर लौटते हुए उनका दस्युओं का सामना हुआ. दस्यु अर्जुन के साथ जा रही कई महिलाओं को उठा ले गए. अर्जुन कुछ नहीं कर सके. उन्होंने धनुष पर तीर चढ़ाए लेकिन वो चल ही नहीं रहे. चल भी रहे थे तो इनका असर नहीं हो रहा था.इसका कारण उनकी धनुर्विद्या में कमी नहीं, बल्कि गहरे आध्यात्मिक, मनोवैज्ञानिक और दैवीय वजहें. दरअसल अर्जुन की धनुर्विद्या की जबरदस्त ताकत का प्रमुख स्रोत भगवान कृष्ण की कृपा और उपस्थिति थी. कृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था. युद्ध में उनके सारथी के रूप में मार्गदर्शन किया था. उनकी गंभीर शक्ति और युद्ध–कौशल में कृष्ण का आशीर्वाद

महत्वपूर्ण था. कृष्ण के निधन के बाद वह दैवीय समर्थन समाप्त हो गया, जिसके कारण अर्जुन की शक्ति कमजोर पड़ गई. गांडीव धनुष की शक्ति खत्म हो गईअर्जुन का गांडीव धनुष उन्हें अग्निदेव से मिला था. ये दैवीय अस्त्र था. यह धनुष कृष्ण की मौजूदगी के साथ दैवीय उद्देश्य के लिए काम करता था. युद्ध के बाद और कृष्ण के निधन के बाद गांडीव की शक्ति का उद्देश्य खत्म हो गया. इस वजह से ये धनुष केवल एक साधारण हथियार बन गया, जिसके कारण अर्जुन इसे पहले की तरह प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं कर पाए.अर्जुन का आत्मविश्वास भी डोल गयाकृष्ण के निधन ने अर्जुन को गहरे मानसिक आघात में डाल दिया. कृष्ण न केवल उनके मित्र और मार्गदर्शक थे, बल्कि उनके आत्म. विश्वास का आधार भी थे. उनकी अनुप. स्थिति में अर्जुन का आत्मविश्वास डगमगा गया. इससे उनका युद्ध कौशल पर भी प्रभावित हुआ. दस्युओं के सामने उनकी असफलता का कारण यह मानसिक कम. जोरी भी थी.खत्म हो गया था अर्जुन का युगमहाभारत में ये दिखाया गया हर योद्धा का समय और कर्म उसकी शक्ति को प्रभावित करता है. युद्ध के बाद अर्जुन का युग समाप्त हो चुका था. दस्युओं के सामने उनकी असफलता यह संकेत थी कि उनका युद्ध–काल खत्म हो गया, इसके साथ ही उनके गांडीव और धनुर्विद्या का असर भी.दस्युओं के सामने अर्जुन की नाक. ामी प्रतीकात्मक थी. जिसने उन्हें अहसास कराया कि बिना दैवीय समर्थन और आत्म. विश्वास के सबसे महान योद्धा भी असफल हो सकता है. यह घटना अर्जुन को उनकी नश्वरता और कृष्ण पर उनकी निर्भरता का अहसास कराने के लिए भी थी.कृष्ण के निधन और दस्युओं के सामने असफलता के बाद अर्जुन को जीवन की नश्वरता का अंदाज हो गया. उन्हें लग गया कि उनका युग खत्म हो गया. ये भी समझ में आया कि अब तक वो जो कुछ थे, उसमें कृष्ण का योगदान बहुत ज्यादा था. ये भी समझ में आया कि समय अब बदल गया है. अब उन्हें अलग दृष्टिकोण के साथ जीवन बिताने की जरूरत है. अर्जुन को यह उम्मीद नहीं थी कि उनके साथ दस्युओं के सामने ऐसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है, क्योंकि उनकी शक्ति, गांडीव, और कृ ष्ण का साथ उन्हें अपराजेय बनाता था. हालांकि कृष्ण के उपदेश और यादव विनाश जैसे घटनाक्रमों ने उन्हें जीवन की क्षणभंगुरता के बारे में तो समझा ही दिया था. दस्युओं के सामने उनकी असफलता उनके लिए अप्रत्याशित थी.दस्युओं के सामने असफलता के बाद अर्जुन ने अपने प्रिय गांडीव धनुष को त्यागने का निर्णय लिया. ये धनुष उनकी शक्ति और पहचान का प्रतीक था, अब वो केवल एक साधारण हथियार में बदल चुका था. महाभारत के अनुसार, अर्जुन ने गांडीव को अग्निदेव को लौटा दिया, जिससे उन्हें ये मिला था. इसका मतलब था कि एक योद्धा के रूप में उनका जीवन खत्म हो गया है.इसके बाद उन्होंने अपने साथ तीर धनुष रखना बिल्कुल छोड़ दिया. कहा जा सकता है कि उन्हें सांसारिकता के जिन साधनों ने बांधकर रखा था, उससे उन्होंने छुटकारा पा लिया. ऐसे भी कृष्ण के नहीं रहने और दस्युओं से ऐसी हार के बाद अर्जुन को लगने लगा था कि अब इस दुनिया में उनका काम नहीं रह गया. लिहाजा अब उन्हें यहां से कूच के बारे में सोचना चाहिए. इसके बाद उन्होंने और अन्य पांडवों ने हस्तिनापुर का शासन युधिष्ठिर के पुत्र परीक्षित को सौंपकर वैराग्य की ओर जाने का फैसला किया. वे हिमालय की ओर तप और मोक्ष की खोज में निकल पड़े. वो हिमालय की ओर निकल पड़े, जो उनकी अंतिम यात्रा थी.

वट सावित्री व्रत, जानें पूजा सामग्री, मुहूर्त, मंत्र और फायदे

वट सावित्री व्रत ज्येठ अमावस्या तिथि को रखते हैं. इस साल वट सावित्री व्रत 26 मई सोमवार को है. इस बार वट सावित्री व्रत शोभन योग में है, जो एक शुभ योग है. विवाहित महिलाएं वट सावित्री व्रत पति की लंबी उम्र और सुखी दांपत्य जीवन के लिए रखती हैं. इस दिन वट वृक्ष यानि बरगद के पेड़ और सावित्री की पूजा करने का विधान है. उत्तर भारत में वट सावित्री का व्रत अमावस्या को रखा जाता है. यदि आपको पहली बार वट सावित्री व्रत रखना है तो आपको पूजा सामग्री के बारे में जानकारी होनी चाहिए. आइए जानते हैं कि वट सावित्री व्रत की पूजा सामग्री और मुहूर्त क्या है?वट सावित्री व्रत 2025 पूजा सामग्री लिस्टव्रती को वट सावित्री व्रत की पूजा के लिए बरगद का फल, बांस से बना पंखा, एक वट वृक्ष, रक्षा सूत्र, कच्चा सूत, सिंदूर, फल, फूल, कुमकुम, रोली, चंदन, सुहाग की सामग्री, बताशा, पान, सुपारी, सवा मीटर नया कपड़ा, गंध, इत्र, धूप, अक्षत, दीपक, पानी का कलश, मिठाई, मखाना, नारियल, भींगा हुआ चना, मूंग. फली, पूड़ी, गुड़, घर पर बने पकवान, देवी सावित्री और सत्यवान की एक मूर्ति या तस्वीर, वट सावित्री व्रत की कथा और पूजा विधि की एक पुस्तक की आवश्यकता होगी.इस पूजा सामग्री के बिना वट सावित्री व्रत की पूजा संपन्न नहीं हो पाएगी. इस व्रत में मृत्यु के देवता यमराज की भी पूजा करते है. देवी सावित्री ने यमराज से अपने पति के प्राण वापस लेकर आई थीं.ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या की तिथि की शुरूआतरू 26 मई, सोमवार, दोपहर 12 11 बजेज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या की तिथि की समाप्तिरू 27 मई, मंगलवार, सुबह 8:31 बजेवट सावित्री के दिन का ब्रह्म मुहूतर्रू 04रू03 ए एम से 04:44 ए एम तकअभिजीत मुहूर्त यानि शुभ समयः 11:51 ए एम से 12:46 पी एम तकउस दिन का अमृत–सर्वोत्तम मुहूतर्रू 05:25 ए एम से 07रू08 ए एम तकशुभ–उत्तम मुहूर्तः 08:52 ए एम से 10:35 ए एम तकलाभ–उन्नति मुहूतर्रू 03रू45 पी एम से 05रू28 पी एम तकवट सावित्री व्रत 2025 शुभ योग और नक्षत्रवट सावित्री व्रत पर शोभन योगरू प्रातरूकाल से सुबह 7रू02 बजे तकअतिगंड योगरू सुबह 7रू02 बजे से 27 मई को देर रात 255 तकभरणी नक्षत्र प्रातरूकाल से सुबह 8रू23 बजे तक, फिर कृत्तिका नक्षत्रये भी पढ़ेंमंगलवार को शनि जयंती, जल्द छोड़ दें ये 8 काम, वरना शनि की वक्र दृष्टि का होंगे शिकारवट सावित्री व्रत 2025 पूजा मंत्रपूजा करते समय नीचे दिए गए मंत्र का उच्चारण करना है.वैधव्यं च सौभाग्यं देहि त्वं मम सुव्रते।ुत्रान् पौत्रांश्च सौख्यं च गृहाणार्घ्यं नमोऽस्तुते।।यथा शाखाप्रशाखाभिर्वृद्धोऽसि त्वं महीतले।था पुत्रैश्च पौत्रैश्च सम्पन्नं कुरु मा सदा।।वृक्ष की परिक्रमा का मंत्रयानि कानि च पापानि जन्मांतर कृतानि च।तानि सर्वानि वीनश्यन्ति प्रदक्षिण पदे पदे।।वट सावित्री व्रत के फायदे1. यह व्रत करने से पति की उम्र लंबी होगी और सेहत भी अच्छी रहेगी. 2. इस व्रत के पुण्य प्रभाव से परिवार की सुख–समृद्धि और खुशहाली में बढ़ोत्तरी होती है.3. वट सावित्री व्रत से वैवाहिक जीवन सुखी रहता है. शांति और प्रेम बना रहता है.4. इस व्रत के पुण्य प्रभाव से पाप मिटते हैं और मानसिक शांति मिलती है.

निर्जला व्रत क्यों सबसे कठिन माना गया है, सबसे पहले इस व्रत को किसने रखा था

वृषभ संक्रांति और मिथुन संक्रांति के मध्य में ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष की एकादशी आती है, उसे निर्जला एकादशी के नाम से जाना जाता है. साल की सभी चौबीस एकादशियों में से निर्जला एकादशी सबसे अधिक महत्वपूर्ण एकादशी है.जो श्रद्धालु साल की सभी चौबीस एकादशियों का उपवास करने में सक्षम नहीं है उन्हें केवल निर्जला एकादशी उपवास करना चाहिए क्योंकि निर्जला एकादशी उपवास करने से दूसरी सभी एकादशियों का लाभ मिल जाता हैं. लेकिन ये व्रत सबसे कठिन माना गया है आइए जानते हैं क्यों.निर्जला एकादशी 2025 कब ?निर्जला एकादशी 6 जून 2025 को है. इस निर्जला एकादशी के व्रत के पुण्य से मनुष्य विष्णुलोक को जाता है.निर्जला एकादशी व्रत क्यों सबसे कठिन है ?उपवास के कठोर नियमों के कारण सभी एकादशी व्रतों में निर्जला एकादशी व्रत सबसे कठिन होता है. निर्जला एकादशी व्रत को करते समय श्रद्धालु लोग भोजन ही नहीं बल्कि पानी भी ग्रहण नहीं करते हैं. इसमें व्रती को 24 घंटे तक निर्जल रहना होता है. ज्येष्ठ माह की तपती गर्मी में बिना जल के ये व्रत करना बेहद कठिन है, लेकिन इसका प्रभाव भी बेहद शक्तिशाली है. इस व्रत को जो पूरे नियम अनुसार कर लेता है उसके लिए मोक्ष के द्वार खुल जाते हैं.निर्जला एकादशी व्रत सबसे पहले किसने किया ?निर्जला एकादशी से जुड़ी पौराणिक कथा के कारण इसे पाण्डव एकादशी और भीमसेनी एकादशी या भीम एकादशी के नाम से भी जाना जाता है. निर्जला एकादशी का व्रत सबसे पहले भीम ने किया था. पाण्डवों में भीमसेन खाने–पीने के अत्यधिक शौकीन थे और अपनी भूख को नियन्त्रित करने में सक्षम नहीं थे. इसी कारण वह एकादशी

व्रत को नही कर पाते थे. भीम के अलावा बाकि पाण्डव भाई और द्रौपदी साल की सभी एकादशी व्रतों को पूरी श्रद्धा भक्ति से किया करते थे. भीमसेन अपनी इस लाचारी और कमजोरी को लेकर परेशान थे.भीमसेन को लगता था कि वह एकादशी व्रत न करके भगवान विष्णु का अनादर कर रहे हैं, उन्हें अंत में स्वर्ग की प्राप्ति नहीं होगी. इस दुविधा से उभरने के लिए भीमसेन महर्षि व्यास की शरण ली तब महर्षि व्यास ने भीमसेन को साल में एक बार निर्जला एकादशी व्रत को करने कि सलाह दी और कहा कि निर्जला एकादशी साल की चौबीस एकादशियों के तुल्य है. व्यास जी ने कहा कि जो मनुष्य निर्जलाए एकादशी के कठिन व्रत का पालन करता है. वो स्वर्ग का अधिकारी हो जाता है.